**आन्तरिक गृहकार्य**

हिन्दी

एम. ए. उत्तरार्द्ध

एमएएचडी-05, 06, 07,08,09 &10

सत्र-2014-15



**वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय , कोटा**

**रावतभाटा रोड, कोटा 324021 (राजस्थान)**

**फोन : - 0744-2470615, फैक्स: - 0744 - 2472525**

**Visit us at: www.vmou.ac.in**

एम. ए. उत्तरार्द्ध , हिन्दी एमएएचडी-05, 06, 07,08,09 &10

मूल्यांकन हेतु आन्तरिक गृह कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको एम..ए **उत्तरार्द्ध** वर्ष में हिन्दी विषय के प्रश्न पत्रों के आन्तरिक गृह कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

पाठ्यक्रम कोड प्रश्न पत्र का नाम

**एमएएचडी-05** नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

**एमएएचडी-06** कथा साहित्य

**एमएएचडी-07** भाषा विज्ञान

**एमएएचडी-08** आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा

**एमएएचडी-09** लोक साहित्य

**एमएएचडी-10** जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता

आपके प्रश्नपत्र में आपको आन्तरिक गृह कार्य करने हैं । इन्हें पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र / अध्ययन केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंक का है। इन प्राप्तांकों को आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों के साथ जोड़ा जायेगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है, और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य अलग-अलग फाईल में नत्थी करें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।

स्कालर संख्या ................................................................................

छात्र का नाम ................................................................................

पिता का नाम ................................................................................

पत्र व्यवहार का पता ................................................................................

................................................................................

................................................................................

................................................................................

................................................................................

पाठ्यक्रम का नाम ................................................................................

पाठ्यक्रम का कोड ................................................................................

जमा करवाने का दिनांक ...............................................................................

अध्ययन केन्द्र का नाम ...............................................................................

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ...............................................................................

**आन्तरिक गृह कार्य**

आन्तरिक गृहकार्य

**एम.ए उत्तरार्द्ध परीक्षा**

**एमएएचडी-0**5

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 'अरूण यह मधुमय देश हमारा

जहा पहुँच अनजान। क्षितिज को मिलता एक सहारा

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस नाटककार द्वारा रचित और कौन से नाटक से अवतरित है।

प्रश्न 2 नाटक की परिभाषा अपने शब्दों में लिखिये

प्रश्न 3 हिन्दी के किन्हीं चार गीति नाट्यों के नाम और उनके रचयिताओं के नाम लिखिये।

प्रश्न 4 'भाभी के चरित्र की विशेषताएँ बतार्इये।

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

राजा है, राज प्रतिनिधि है पर प्रजा की उन तक रसाई नहीं। सूर्य हैं, धूप नहीं। चन्द्र है, चांदनी नहीं। मार्इ लार्ड नगर ही में है, पर शिवशशु उनके द्वार तक नहीं फरक सकता, उनके घर चलकर होली खेलना विचार हो दूसरा है। मार्इ लार्ड के घर तक प्रजा की बात नहीं पहुच सकती। बात की हवा नहीं पहुँच सकती। जहाँगीर की भाँति उसने अपने शयनागार तक ऐसा कोर्इ घंटा नहीं लगाया, जिसकी जंजीर बाहर से हिलाकर प्रजा अपनी फरियाद उसे सुना सके। न आगे को लगाने की आशा है। प्रजा की बोली वह नहीं समझता, उसकी बोली प्रजा नहीं समझती। प्रजा के मन का भाव वह नहीं समझता न समझना चाहता है। उसके मन का भाव न प्रजा समझ सकती है न समझने का कोर्इ उपाय है।

उसका दर्शन दुर्लभ है।

प्रश्न 6 अंधा युग की आधुनिकता की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

पहाड़ों पर चाँदनी का यह अदभुत मायाजाल मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय से मेरी आखे मुँद गयी थीं। उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी साँप का आख जैसा एक अविस्मृत, जादुर्इ सम्मोहन होता है

प्रश्न 8 ललित निबन्ध के रूप में अशोक के फूल की विशेषताऐ बताइये।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 प्रसाद के नाट्य साहित्य का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत करके 'चन्द्रगुप्त को स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न10 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र में लेखक ने समय, समाज, सत्ता और व्यवस्था की किन-किन विसंगतियों पर प्रकाश डाला है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए?

आन्तरिक गृहकार्य

एम..ए **उत्तरार्द्ध** परीक्षा

एमएएचडी-06

कथा साहित्य

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 यशपाल का कौनसा उपन्यास देश विभाजन की त्रासदी पर आधारित है ?

प्रश्न 2 जैनेन्द्र के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए

प्रश्न 3 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के नायक 'रजुआ' का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 4 कहानी के प्रमुख तत्व कौन-कौन से हैं ?

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उतर दीजिए। आप अपने उतर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

महाराज को साधारण लोग-बाग की तरह कोर्इ साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बड़े डाक्टर भी उनकी बीमारी का निदान और उपचार करन में मुँह की खा गये थे। लोगों का विचार था कि चिकित्साशास्त्र के इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राजरोग को कोर्इ साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।

प्रश्न 6 'टूटना' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

प्रश्न 7 निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

शेरा कब लौट गया उसे कुछ पता नहीं, दुर्बल-सी देह और अकेली, बिना किसी सहारे के न जाने कब तकवहीं पड़ी रही शाहनी। दुपहर आयी और चली गयी। हवेली खुली पड़ी है। आज शाहनी नहीं उठ पा रही है। जैसे उसका अधिकार आज स्वयं ही छूट रहा है। शाहजी के घर की मालकिन लेकिन नहीं आज मोह नहीं हट रहा है मानों पत्थर हो गयी हो।

प्रश्न 8 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं पर लेख लिखिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उतर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 'गोदान' उपन्यास की तात्विक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न10 स्वतन्त्र्योतर हिन्दी उपन्यास भी प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

आन्तरिक गृहकार्य

**एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा**

**एमएएचडी-0**7

भाषा विज्ञान

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 भाषा का अर्थ बतायें।

प्रश्न 2 स्वर और व्यंजन ध्वनियों में अंतर बतायें।

प्रश्न 3 वाक्य-परिवर्तन से क्या समझते हैं ?

प्रश्न 4 शैली विज्ञान क्या है ?

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ बतायें।

प्रश्न 6 राजस्थानी हिन्दी बोलियों का क्षेत्र एवं विशेषताएँ बतायें।

प्रश्न 7 अर्थ-ग्रहण की प्रक्रिया का उल्लेख करें।

प्रश्न 8 भाषा विज्ञान की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 भाषाविज्ञान की परिभाषा देते हुए भाषाविज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध बतायें

प्रश्न10 ध्वनि-परिवर्तन के कारणों एवं दिशाओं का उल्लेख करें।

आन्तरिक गृहकार्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-08

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 'लौट आ ओ धारटूट मत ओ साँझ के पत्थर ह्रदय पर' किस कवि की कविता पंक्ति है ?

प्रश्न 2 'कारवाँ गुजर गया, गुबार देखते रहे' किस गीतकार की पंक्ति है ?

प्रश्न 3 'असाध्यवीणा' के कवि का नाम बताएँ।

प्रश्न 4 सोहन लाल द्विवेदी के गीतों की अन्तर्वस्तु क्या है ?

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

''राधन!

तुम्हारी शोख चंचल विचुमिबत पलकें तो

पगडणिडयाँ मात्र है :

जो मुझ तक पहुंचकर रीत जाती है।''

तुमने कितनी बार कहा है :

सुनो तुम्हारे अधर, तुम्हारी पलकें, तुम्हारी बाँहें,

तुम्हारे चरण, तुम्हारे अंग-प्रत्यंग, तुम्हारी सारी चम्पक वर्गीदेह,

मात्र पगडणिडयाँ हैं जो

चरम साक्षात्कार के क्षणों में रहती नहीं

रीत-रीत जाती है।''

प्रश्न 6 'ब्रह्राराक्षस' कविता की भुतैली बावड़ी के रूपक का उदघाटन कीजिए।

प्रश्न 7 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें।

इस नदी का

इस शहर से कोर्इ सम्बन्ध नहीं है

फिर भी नदी शहर की है

इसको कोर्इ पियरी नहीं चढ़ाता

न आदमी रामनामी डाले

सुबह तडके भागते दिखार्इ देते हैं

न अधेड़ औरते ठाकुर जी का

सिंहासन लिए बतियाती जाती हैं

प्रश्न 8 शमशेर बहादुर सिंह के काव्य में प्रेम एवं सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 धर्मवीर भारती की काव्य यात्रा को रेखांकित करते हुए उनकी विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न10 नरेश मेहता के काव्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिये।

आन्तरिक गृहकार्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-09

लोक साहित्य

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 राजस्थानी लोककथाओं के चार कथानक अभिप्रायों का नाम लिखिये ।

प्रश्न 2 लोकसाहित्य और शिष्टसाहित्य में अन्तर बताइए।

प्रश्न 3 वातों (कथाओं) में वातपोश की क्या भूमिका होती है ?

प्रश्न 4 भवार्इ नृत्य की विशेषताएँ संक्षिप्त में लिखिए।

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 लोक साहित्य के संकलन एवं संरक्षण के उपायों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 6 राजस्थानी लोकनाटय के शिल्पविधान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7 भोजपुरी लोक गीतों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8 'लोकगाथा' किसे कहते है ? उसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 लोक साहित्य की विविध विधाओं पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न10 लोक साहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्धों का विवेचन कीजिए।

आन्तरिक गृहकार्य

एम. ए. **उत्तरार्द्ध** परीक्षा

एमएएचडी-10

जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता

अधिकतम अंक 20

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 4 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 4x1=4

प्रश्न 1 प्रेमचंद की एक रचना का नाम बताइए जिसकी सिनेमार्इ प्रस्तुति हुर्इ ?

प्रश्न 2 जन संचार के दो परम्परागत माध्यम बताइए।

प्रश्न 3 'पत्रकारिता' किसे कहते है ?

प्रश्न 4 दूरस्थ शिक्षण के प्रमुख साधन कौनसे है ?

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। 2 × 4 = 8

प्रश्न 5 र्इ-पत्रिकाओं के बारे में टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 6 'सुपर इम्पोजिंग' क्या है ? स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 7 साहित्य के रूपान्तरण में कौनसी समस्याएँ उपस्थित होती है ?

प्रश्न 8 वैयक्तिक और अंत वैयक्तिक संचार माध्यमों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 08 अंक का है। 01 × 08 = 08

प्रश्न 9 जन-संचार के विविध माध्यमों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

प्रश्न10 भाषायी पत्रकारिता के स्वरूप् एवं विकास को समझाते हुए जनसंचार के संदर्भ में संप्रेषण सिद्धांत

की विवेचना कीजिए।